भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1763

10 फरवरी, 2026 को उत्तरार्थ

विषय: मृदा स्वास्थ्य कार्ड

1763. श्री वरुण चौधरीः

क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत पांच वर्षों के दौरान मृदा स्वास्थ्य कार्डों के नमूने लेने, तैयार करने और वितरण की संख्या वर्ष-वार और राज्य-वार कितनी है;

(ख) मृदा स्वास्थ्य कार्डों के नमूने लेने, उन्हें तैयार करने और वितरित करने में लगने वाला व्यय का ब्यौरा क्या है; और

(ग) गत पाँच वर्षों के दौरान विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मृदा स्वास्थ्य कार्डों के वितरण के परिणामस्वरूप यूरिया तथा अन्य उर्वरकों के उपयोग के रुझान का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) पिछले पांच वर्षों के दौरान एकत्रित और परीक्षित सैंपल तथा जेनरेट/वितरित किए सॉइल हेल्थ कार्ड (एसएचसी) की संख्या का वर्ष-वार और राज्य-वार विवरण **अनुबंध-I** पर दिया गया है।

(ख): पिछले पांच वर्षों (वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक) के दौरान, योजना के कार्यान्वयन के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को केंद्र सरकार की ओर से केंद्रीय हिस्से के रूप में 624.25 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता योजना (सॉइल हेल्थ ऐंड फर्टिलिटी स्कीम) के तहत सैंपलिंग तथा सॉइल हेल्थ कार्ड तैयार करने और उन्हें वितरित करने के लिए प्रति एसएचसी 300 रुपये की लागत निर्धारित है।

(ग): सरकार वर्ष 2014-15 से मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता योजना के माध्यम से उर्वरकों के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा दे रही है, जिसका उद्देश्य सभी कृषि जोतों के लिए एसएचसी उपलब्ध कराना है ताकि उत्पादकता और मिट्टी की उर्वरता में सुधार के लिए संतुलित और एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन को बढ़ावा दिया जा सके। योजना के शुभारंभ से अब तक 25.79 करोड़ एसएचसी जेनरेट किए जा चुके हैं।

राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी), नई दिल्ली ने वर्ष 2017 में 19 राज्यों के 76 जिलों में 170 मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं और 1700 किसानों को शामिल करते हुए 'भारत में एसएचसी की त्वरित डिलीवरी के लिए सॉइल टेस्टिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर' नामक एक अध्ययन किया। एसएचसी की सिफारिशों के अनुसार उर्वरक और सूक्ष्म पोषक तत्वों के प्रयोग के परिणामस्वरूप, रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 8-10% की कमी पाई गई। एसएचसी के अनुसार उर्वरक और सूक्ष्म पोषक तत्वों के प्रयोग से फसलों की उपज में कुल मिलाकर 5-6% की वृद्धि दर्ज की गई।

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज), हैदराबाद द्वारा मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता योजना (नवंबर, 2017) का प्रभाव अध्ययन किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 62.8% किसान मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता योजना में दी गई सिफारिशों के अनुसार उर्वरकों का उपयोग करते हैं। कम उर्वरक उपयोग के कारण प्रति एकड़ लागत में 04 से 10% की कमी आई। अधिकांश फसलों की पैदावार में सामान्य वृद्धि हुई।

नीति आयोग ने वर्ष 2025 के दौरान योजनाओं का मूल्यांकन किया और पाया कि एसएचसी ने उर्वरक असंतुलन को दूर करने (यूरिया के अत्यधिक उपयोग को कम करके) और उत्पादकता बढ़ाने में योगदान दिया है। इस योजना ने एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (आईएनएम) के व्यापक उद्देश्यों को प्राप्त करने में भी मदद की है। सर्वेक्षण में शामिल लगभग 68.5% किसानों ने प्राकृतिक इनपुट के उपयोग के बाद मिट्टी के स्वास्थ्य में स्पष्ट सुधार की सूचना दी, जबकि 25.7% किसानों ने केवल मामूली सुधार की सूचना दी।

यूरिया और अन्य उर्वरकों की खपत कई परस्पर संबंधित कारकों पर निर्भर करती है, जैसे कि फसल पैटर्न और क्षेत्रफल, सिंचाई, अधिक उपज वाली किस्में, मिट्टी की विशेषताएं और उसका स्वास्थ्य, जलवायु और मौसम की स्थितियां आदि। पिछले पांच वर्षों के दौरान यूरिया और अन्य उर्वरकों की वर्ष-वार खपत/बिक्री **अनुबंध-II** पर दी गई है।

अनुबंध-I

पिछले पांच वर्षों के दौरान एकत्रित और परीक्षित सैंपल तथा जेनरेट/वितरित किए सॉइल हेल्थ कार्ड (एसएचसी) की संख्या का वर्ष-वार और राज्य-वार विवरण

(संख्या में)

राज्य	2020-21		2021-22	2022-23		2023-24		2024-25		कुल	
	एकत्रित सैंपल	परीक्षित सैंपल और जेनरेट किए गए एसएचसी	एकत्रित सैंपल	एकत्रित सैंपल	परीक्षित सैंपल और जेनरेट किए गए एसएचसी	परीक्षित सैंपल	परीक्षित सैंपल और जेनरेट किए गए एसएचसी	एकत्रित सैंपल	परीक्षित सैंपल और जेनरेट किए गए एसएचसी	एकत्रित सैंपल	परीक्षित सैंपल और जेनरेट किए गए एसएचसी
अंडमान और निकोबार	3000	3000	शून्य चूंकि एसएचसी घटक कार्यान्वित नहीं किया गया	3000	2850	913	604	10000	9999	16913	16453
आंध्र प्रदेश	0	0		0	0	278153	258716	449757	449753	727910	708469
अरुणाचल प्रदेश	53	53		0	0	2250	2275	100000	100020	102303	102348
असम	0	0		0	0	298482	295182	1012370	1011600	1310852	1306782
बिहार	274158	333359		502852	1510587	200000	250048	500000	500000	1477010	2593994
छत्तीसगढ़	5317	5317		0	0	160000	160678	174902	174875	340219	340870
दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	0	0		0	0	0	0	0	0	0	0
गोवा	6556	6556		9033	9033	8986	8783	11889	10341	36464	34713
गुजरात	0	0		179769	88422	178634	178286	623844	623295	982247	890003
हरियाणा	18972	18972		600000	600000	299522	297772	599994	583159	1518488	1499903
हिमाचल प्रदेश	25152	25152		24134	24134	12000	12361	74000	74084	135286	135731
जम्मू एवं कश्मीर	77519	77519		272378	186890	54000	57905	80524	80314	484421	402628
झारखंड	0	0		0	0	120511	112024	238073	234959	358584	346983
कर्नाटक	105546	105546		177359	177359	221427	221427	268000	268000	772332	772332
केरल	118022	118022		0	0	0	0	110871	107904	228893	225926

लद्दाख	0	0		0	0	3306	931	2897	1898	6203	2829
मध्य प्रदेश	168454	168454		183443	168208	555480	465296	1190918	1144843	2098295	1946801
महाराष्ट्र	0	0		206153	206153	256553	240246	301000	497012	763706	943411
मणिपुर	4147	4147		7800	7800	164	0	411	346	12522	12293
राज्य	**2020-21**		**2021-22**	**2022-23**		**2023-24**		**2024-25**		**Total**	
	एकत्रित सैंपल	परीक्षित सैंपल और जेनरेट किए गए एसएचसी	एकत्रित सैंपल	एकत्रित सैंपल	परीक्षित सैंपल और जेनरेट किए गए एसएचसी	परीक्षित सैंपल	परीक्षित सैंपल और जेनरेट किए गए एसएचसी	एकत्रित सैंपल	परीक्षित सैंपल और जेनरेट किए गए एसएचसी	एकत्रित सैंपल	परीक्षित सैंपल और जेनरेट किए गए एसएचसी
मेघालय	10022	14195		0	0	13000	13000	24999	24999	48021	52194
मिजोरम	0	0		2857	2857	5170	5170	29825	29727	37852	37754
नागालैंड	0	0		14800	14800	14800	14752	110977	110977	140577	140529
ओडिशा	119093	142078		454062	325484	100012	14163	498835	498763	1172002	980488
पुदुचेरी	3006	3006		0	0	3000	3002	3000	3000	9006	9008
पंजाब	19196	19196		202826	168745	119626	87944	247777	139485	589425	415370
राजस्थान	0	0		154429	154429	273004	268578	344818	341022	772251	764029
सिक्किम	0	0		3000	3000	15000	15035	60000	60000	78000	78035
तमिलनाडु	357000	357000		134050	134050	250400	250264	400000	400000	1141450	1141314
तेलंगाना	165527	165527		0	0	0	0	142896	141440	308423	306967
त्रिपुरा	6816	6816		20075	20000	16848	15211	36683	36661	80422	78688
उत्तर प्रदेश	28109	28109		593449	392257	485035	485022	826000	826000	1932593	1731388
उत्तराखंड	122167	81876		57424	25305	52368	52368	100570	100913	332529	260462
पश्चिम बंगाल	0	0		0	0	332990	326095	392474	378096	725464	704191
कुल	**1637832**	**1683900**		**3802893**	**4222363**	**4331634**	**4113138**	**8968304**	**8963485**	**18740663**	**18982886**

स्रोत: एसएचसी पोर्टल

अनुबंध-II

पिछले पांच वर्षों (वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक) के दौरान यूरिया और अन्य उर्वरकों की वर्ष-वार खपत/बिक्री

(हजार टन में)

वर्ष	यूरिया	डीएपी	एमओपी	मिश्रित	एसएसपी	कुल
2020-21	35050.49	11918.45	3431.81	12582.38	4488.92	67472.05
2021-22	34173.17	9264.26	2392.97	12137.92	5676.43	63644.75
2022-23	35725.60	10531.04	1631.87	10730.84	5017.76	63637.11
2023-24	35780.94	10973.03	1645.28	11679.95	4544.29	64623.49
2024-25	38792.47	9629.04	2202.54	14971.91	4928.49	70524.45

स्रोत: आईएफएमएस पोर्टल

*****